मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12 **PGDT-03**

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

(पी. जी. डी. टी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2023

पी.जी.डी.टी.-03 : व्यावहारिक अनुवाद : के विविध स्तर और क्षेत्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

1. सारानुवाद का अर्थ बताते हुए सारानुवाद की प्रक्रिया को स्पष्ट कीजिए। 20

अथवा

आशु अनुवाद की विशेषताओं की चर्चा कीजिए और आशु अनुवाद एवं भावानुवाद में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

P. T. O.

2. (a) निम्नलिखित वाक्यों का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : प्रत्येक 2

(i) एकल उपयोग प्लास्टिक को खत्म करने के लिए नगर निगम ने 'स्वच्छता कैफे' की शुरुआत की।

(ii) उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि अदालत के रिकॉर्ड की जालसाजी या उसमें हेरफेर कर उसका लाभ उठाना गंभीर अपराध है।

(iii) तकनीकी और पेशेवर प्रतिभासम्पन्न भारत एकमात्र ऐसा देश है, जिसके पास यू. एस. एफ. डी. ए. मानकों के अनुरूप अमेरिका से बाहर सबसे अधिक संख्या में दवा बनाने के संयंत्र हैं।

(iv) कोरोना महामारी के दुष्प्रभाव और प्रकोप के कारण दुनिया-भर में 'योग' के बढ़ते महत्व ने सिद्ध किया है कि इसके माध्यम से रोग प्रतिरोधक क्षमता को विकसित कर लोगों को स्वस्थ रखा जा सकता है।

(v) निवेश को आकर्षित करने और रोजगार बढ़ाने के लिए आधारभूत संरचना उत्प्रेरक का काम करती है, इसलिए सरकार को इस ओर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

(b) निम्नलिखित वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : प्रत्येक 2

(i) A demi-official letter is generally written when personal attention or indulgence is sought.

(ii) The government is committed to rejuvenate (पुनर्जीवित) the soul of those cities that are home to enrich cultural heritage of our country.

(iii) An industrial and water pollution can be reduced by using better technology and policy enforcement.

(iv) A ceiling for the exit load on the home loan has been prescribed by the Bank.

(v) International Olympic Committee President Thomas Back dismissed speculations of Tokyo Olympics cancellation.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** का हिन्दी में अनुवाद कीजिए : प्रत्येक 15

(a) Green Technology is the application of environmental science to conserve the natural environment and resources and to curb the negative impact of human activities. Sustainable development is the core of such technologies. These technologies include recycling, reusing, water and air purification, sewage treatment, solid waste management, and renewable energy etc. Green technologies have arisen during the last two decades as an effort to minimize the damage to the environment. The inventions of the past

two centuries—the petro-chemical industry, automobile industry etc. have added to the overall well-being of mankind but have also resulted in pollution of the earth. In an effort to join the race with industrialized countries, we have not paid attention to the effects of these industries, which are detrimental to the environment. Industrialised nations became aware of these environment-related concerns in early stages of their development; however, developing countries like ours overlooked the damaging aspect of these industries.

(b) Language originates in a specific socio-cultural milieu as the first identity marker. It plays a key role in shaping the personality of an individual, his thought processes and larger view of the life and world around. The language we first learn

is what is used at home. Mother is the first to speak to the child and his/her interlocutor for most of the time. The language used by her is the mother tongue. Importance of mother tongue for initiation into formal education in the context of increasing emphasis on knowledge in the present competitive environment has gained significance. UNESCO rightly says that language is more than a means of communication; it is the very condition of our humanities. Our beliefs, values and identities are embedded in it. “Language is the chief means and index of a nation”, said Swami Vivekananda.

(c) It will be useful to create social media platforms for generating learning opportunities. The public institutions are supposed to serve public purpose. But

private institutions driving upon public resources must also serve public purpose. There is an extraordinary commercialisation which has taken place in the last two decades and one cannot be sure that the accountability of institutions is being pursued in a transparent manner. Students deserve better services and they should be able to evaluate the course, the quality of faculty preparation and degree of deedback given by the faculty. Many leading institutions do it, many more need to do it. It is not that the judgments of the students can always be final but students' voice should matter. The feedback of high performing students should be given higher weightage. the students should have opportunity to learn from the best teachers even if they are outside the

institution and new platforms have to be generated for such learning to take place.

(d) India has a strong public Research and Development (R&D) system. There are many strategic R&D programmes in areas like space, atomic energy, defence research and development, etc. Some of the significant technologies such as missiles, nuclear bombs and satellites have emanated from these programmes. India has one of the largest science and technology workforces in the world. There exists a strong R&D network, like the CSIR, that has recently been transformed into a 'global innovation platform'. India also has great institutions of higher education. The foreign press has also taken note of how it is more difficult to get into an Indian Institute of Technology (IIT)

than into some of the top universities in the United States. There are several innovative companies in pharmaceuticals, automobiles, biotechnology etc. The share of R&D spending by the industry has slowly increased to more than twenty percent.

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 15

(a) ऑनलाइन शिक्षा की राह में चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। पहली चुनौती मानसिकता की ही है। पुराने और अनुभवी शिक्षक ऑनलाइन शिक्षा के नाम पर विरोध की कतार में खड़े हो जाते हैं। इस बारे में उनकी सोच यह है कि यह सब कुछ युवा पीढ़ी के लिए बना है। जबकि, वास्तविकता यह है कि यह सहज और सुलभ है। जरूरत मानसिकता

बदलने की है। जब एक कम पढ़ा–लिखा व्यक्ति स्मार्टफोन से पैसे का डिजिटल लेन–देन कर सकता है तो एक अनुभवी व्यक्ति मल्टीमीडिया के प्रयोग से ऑनलाइन शिक्षा व्यवस्था का अंग क्यों नहीं बन सकता। दूसरी चुनौती कम्प्यूटर और इंटरनेट के अभाव की है। देश के कई हिस्से अभी तक इंटरनेट से पूरी तरह जुड़े नहीं हैं और कई हिस्सों में नेटवर्क की समस्या अभी भी बनी हुई है। तमाम विद्यार्थियों के पास स्मार्टफोन या लैपटॉप नहीं हैं। तीसरी चुनौती ऑनलाइन परीक्षा की है। कई जगहों पर इसके लिए पर्याप्त संसाधन या फिर आवश्यक तकनीक की कमी है। चौथी चुनौती भाषा की समस्या से जुड़ी है। ऑनलाइन शिक्षा को सुलभ और सहज बनाने के लिए पढ़ाई–लिखाई

क्षेत्रीय भाषा में होनी चाहिए, जिसके लिए सामग्री तैयार करनी होगी।

(b) जॉन रस्किन की पुस्तक 'अनटु दिस लास्ट' से पहले मैंने रस्किन की एक भी पुस्तक नहीं पढ़ी थी। विद्या–अध्ययन के समय में पाठ्य–पुस्तकों के बाहर की मेरी पढ़ाई लगभग नहीं के बराबर मानी जाएगी। कर्मभूमि में प्रवेश करने के बाद समय बहुत कम बचता था। आज भी यही कहा जा सकता है। मेरा पुस्तकीय ज्ञान बहुत कम है। मैं मानता हूँ कि इस संयम से मुझे कोई हानि नहीं हुई। बल्कि जो थोड़ी पुस्तकें मैं पढ़ पाया हूँ, कहा जा सकता है कि उन्हें ठीक से हजम कर सका हूँ। इन पुस्तकों में से जिसने मेरे जीवन में तत्काल महत्व के रचनात्मक परिवर्तन कराए, वह 'अनटु दिस लास्ट' ही कही जा सकती है। बाद में मैंने

उसका गुजराती अनुवाद किया और वह 'सर्वोदय' के नाम से छपा।

मेरा विश्वास है कि जो चीज मेरे अंदर गहराई में छिपी पड़ी थी, रस्किन के ग्रंथ में मैंने उसका स्पष्ट प्रतिबिंब देखा। और, इस कारण उसने मुझ पर अपना साम्राज्य स्थापित कराया और उसमें दिए गए विचारों पर मुझसे अमल कराया।